रत्नागिरी हवाई-अड्डे में हवाई-पट्टी का विस्तार

1382. **श्री गोविन्द राव आदिक :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रत्नागिरी हवाई अड्डे में हवाई-पट्टी का विस्तार किया गया है;

(ख) यदि हां, तो विस्तार से पहले तथा विस्तार के बाद हवाई-पट्टी की लंबाई तथा उसकी तकनीकी स्थिति क्या है ;

(ग) क्या इस हवाई-पट्टी पर बोइंग 737 जैसे विमान उतारे जा सकते हैं;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार बम्बई से रत्नागिरि तक इंडियन एयरलाइंस की हवाई सेवा आरम्भ करने का विचार रखती है;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) रत्नागिरी की हवाई पट्टी महाराष्ट्र राज्य सरकार की है । राज्य सरकार ने धावनपथ को 3600 फुट से बढ़ाकर 4000 फुट X 150 फुट कर दिया है । यह हवाई पट्टी एवरो–748 विमान के प्रचालन के लिये उपयुक्त है ।

(ग) जी, नहीं ।

(घ) और (ङ) प्रश्न नहीं उठते ।

(च) रत्नागिरी हवाई अड्डे का धावनपथ इंडियन एयरलाइंस के बेड़े में शामिल विमानों के प्रचालन के लिये उपयुक्त नहीं है । इसलिये बम्बई से रत्नागिरी तक इंडियन एयरलाइंस की सेवा प्रचालित नहीं की जा सकती ।

Flights to Leh by tour operators

1383. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that tour operators have asked for more flights to Leh the tourists place;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what action Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) Yes, Sir. The tour operators have asked for more flights to Leh in view of the tourist season.

(c) Prior to 4-7-94 Indian Airlines was operating four services per week on the Delhi-Leh-Delhi route. Effective 4-7-94, an additional service was introduced on this route on Mondays. With effect from 20-7-94 and 2-8-94, an additional flight each has been introduced on Thursdays and Saturdays respectively. With this, Indian Airlines is operating seven services per week on this route. This is in addition to one flight each per week from Srinagar and Chandigarh to Leh and back.

मुख्य मार्गों पर निजी हवाई कम्पनियों की उड़ानें

1384. **श्री गोविन्दराव आदिक :**
श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अनेक निजी कम्पनियों द्वारा उड़ानें आरम्भ करने के परिणामस्वरूप मुख्य मार्गों पर वर्ष 1953 से पहले जैसी स्थिति पैदा हो गई है :

(ख) क्या यह भी सच है कि इस कारण सभी एयरलाइनें अपनी क्षमता का सही उपयोग नहीं कर पा रही है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस स्थिति को सुधारने हेतु कोई कदम उठाने का विचार रखती है ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी नहीं ।

(ख) एयर टैक्सी प्रचालक अनुसूचित प्रचालनों हेतु मुक्त किसी भी हवाई अड्डे पर प्रचालन करने और अपने वाणिज्यिक विवेक के अनुसार अपनी क्षमता नियोजित करने के लिये स्वतंत्र है ।

(ग) से (ङ) एक बार एयर टैक्सी प्रचालकों के अनुसूचित हवाई परिवहन प्रचालक बन जाने पर उन्हें ट्रंक मार्गों पर नियोजित क्षमता का कतिपय न्यूनतम प्रतिशत अन्य मार्गों पर नियोजित करना अपेक्षित होगा ।

इंडियन एयरलाइंस की उड़ानों में दी जाने वाली खाद्य-वस्तुओं का स्तर

1385. **श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इंडियन एयरलाइंस की उड़ानों में दी जाने वाली खाद्य वस्तुओं का स्तर गिरता जा रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि विशेष रुप से उसमें दी जाने वाली मिठाई खाने लायक नहीं होती है ;

(ग) यदि हां तो इसके क्या कारण है ; और

(घ) खाद्य वस्तुओं का स्तर सुधारने के लिये सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाये जा रहे हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) विमान में परोसे जाने वाले भोजन की क्वालिटी में सुधार करने के लिये निम्नलिखित कदम उठाये गये हैं:—

—ब्रेड़े स्टेशनों पर ख्यातिप्राप्त खान-पान प्रबंधकों/होटल उद्यमियों को ठेके दिये जाते हैं । छोटे स्टेशनों पर भोजन हवाई अड्डा रेस्टोरेंटों से लिया जाता है जिसके लिये ठेके विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा दिये जाते हैं । जहां कहीं खान-पान प्रबंध उचित स्तर के नहीं पाये जाते हैं, तब शहरों में उपलब्ध बेहतर होटल उद्यमियों से भोजन लेने के प्रबंध किये जाते हैं ।

—भोजन एक से अधिक खान-पान प्रबंधक से लिया जाता है जिससे उनके बीच बेहतर प्रतिस्पर्द्धा बनायी रखी जा सके ।

—व्यंजन सूचियां इंडियन एयरलाइंस अधिकारियों द्वारा तैयार की जाती है जो इस कार्य में विशेषज्ञता रखतेहैं ।

—भोजन परोसने के समय इंडियन एयरलाइंस के अर्हता प्राप्त अधिकारियों द्वारा भोजन की गुणवत्ता की जांच की जाती है ।

—समय-समय पर व्यंजन सूचियों की संवीक्षा की जाती है ।